# BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

**BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR**

**PIN-842001 (BIHAR)**

**Website:-www.brabu.net**

**Ref:....................** **Date:.........................**

**PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS**
**COMPILED BY MEDIA CELL (07.05.2025)**

**HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE:07.05.2025, PAGE-06**

### बीआरएबीयू में पहली बार वोकेशनल कोर्स के लिए होगी प्रवेश परीक्षा

# वोकेशनल प्रवेश परीक्षा में होंगे ऑब्जेक्टिव सवाल

**मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता।** बीआरएबीयू में होनेवाली वोकेशनल की प्रवेश परीक्षा में ऑब्जेक्टिव सवाल पूछे जाएंगे। सीसीडीसी प्रो. मधु सिंह ने बताया कि अगले हफ्ते प्रवेश परीक्षा के लिए पोर्टल खोल दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा दो घंटे की होगी। परीक्षा में 50 सवाल पूछे जाएंगे। परीक्षा में इंटर स्तरीय सवाल पूछे जाएंगे।

विवि में पहली बार वोकेशनल कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा हो रही है। प्रवेश परीक्षा विवि ही आयोजित करेगा। परीक्षा के बाद मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी। सीसीडीसी ने बताया कि परीक्षा ओएमआर शीट पर होगी। कंप्यूटर की मदद से कॉपियों की जांच होगी। एक से दो दिन में रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। मेरिट लिस्ट के आधार पर छात्रों को कॉलेज का आवंटन होगा।

सीसीडीसी ने बताया कि हमारी कोशिश है कि विद्यार्थी जिस जिले के हों, उनका दाखिला उसी जिले में हो। विद्यार्थियों को आवेदन के समय भी जिले के हिसाब से कॉलेज चुनने का विकल्प दिया जाएगा। बीआरएबीयू में सीनेट की बैठक में प्रवेश परीक्षा का प्रस्ताव पास किया गया था।

- दो घंटे की होगी प्रवेश परीक्षा रहेंगे 50 प्रश्न
- प्रवेश परीक्षा के लिए अगले हफ्ते खोला जाएगा पोर्टल

## बीआरएबीयू : पढ़ाई शुरू

### जल्द शुरू होगी सिलेबस बनाने की प्रक्रिया

**मुजफ्फरपुर, प्रसं।** विवि में स्नातक चौथे सेमेस्टर सत्र 2023-27 के छात्र 100 नंबर का अतिरिक्त विषय बिना सिलेबस का ही पढ़ेंगे। स्नातक चौथे सेमेस्टर में छात्रों को एनसीसी, एनएसएस, एनजीओ और सोशल वर्क को पढ़ना है। इनमें सिर्फ एनसीसी का ही सिलेबस तैयार है। यह सिलेबस राजभवन से बनकर विवि के पास भेजा गया है। एनसीसी के अलावे बाकी तीन विषयों के सिलेबस विवि के पास नहीं हैं। स्नातक चौथे सेमेस्टर की कक्षा दो मई से शुरू है, लेकिन सिलेबस तैयार नहीं होने से छात्र इन तीनों विषयों को नहीं पढ पा रहे हैं।

बीआरएबीयू के डीएसडब्ल्यू प्रो. आलोक प्रताप सिंह ने बताया कि इन तीनों विषयो के सिलेबस बनाने की प्रक्रिया जल्द विश्वविद्यालय मे शुरू होगी। इसके लिए कुलपति से निर्देश लिया जायेगा। कुलपति के निर्देश के बाद एक कमेटी बनाई जायेगी। यह कमेटी इन तीनों विषयों का सिलेबस तैयार करेगी। सिलेबस तैयार करने के लिए एकेडमिक काउंसिल के सदस्य भी मिले हैं। सिलेबस तैयार होने के बाद इसे एकेडमिक काउंसिल मे रखा जायेगा और वहा से पास कराया जायेगा।

**Ref:....................** **Date:..........................**

## DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR DATE: 07.05.2025, PAGE-06

# वोकेशनल कोर्स की प्रवेश परीक्षा में आएंगे 50 आब्जेक्टिव प्रश्न

**2** घंटे की प्रवेश परीक्षा के लिए सभी जिले में बनाए जाएंगे एक-एक केंद्र

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के वोकेशनल कोर्स में नामांकन के लिए पहली बार हो रही केंद्रीयकृत प्रवेश परीक्षा में 50 अंकों के आब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएंगे। सवालों का स्तर इंटर का होगा। करीब दो घंटे की प्रवेश परीक्षा होगी। प्रवेश परीक्षा ओएमआर शीट पर होगी। इससे परीक्षा के बाद जल्द ही रिजल्ट जारी करने में मदद मिलेगी। प्रवेश परीक्षा के लिए तीन से चार दिनों में विश्वविद्यालय पोर्टल से आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके लिए आवेदन शुल्क समेत अन्य दस्तावेजों की जानकारी जल्द ही विश्वविद्यालय की ओर से दी जाएगी। बताया जा रहा है कि आवेदन शुल्क 600 से अधिक हो सकता है। करीब 15 से 20 दिनों का समय आवेदन के लिए दिया जाएगा। इसके बाद एडमिट कार्ड जारी किया जाएगा। सबकुछ ठीक रहा तो जून में प्रवेश परीक्षा कराई जा सकती है। परीक्षा के बाद विश्वविद्यालय स्तर से मेरिट जारी कर कालेजों में नामांकन के लिए विद्यार्थियों की सूची भेजी जाएगी। जून के आखिरी तक नामांकन की शुरुआत होगी और जुलाई से वोकेशनल कोर्स में नामांकित छात्र-छात्राओं की कक्षा शुरू हो सकती है। करीब छह सात वर्ष पहले विश्वविद्यालय की ओर से वोकेशनल कोर्स में होने वाले नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा की तिथि निर्धारित की जाती थी। विश्वविद्यालय की ओर से आब्जर्वर नियुक्त होते थे। एक ही तिथि में अलग-अलग कालेजों में प्रवेश परीक्षा होती थी। सीसीडीसी डा. मधु सिंह ने बताया कि वोकेशनल कोर्स में नामांकन के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। जल्द ही पोर्टल खोले जाने की उम्मीद है।

## DAINIK JAGRAN MUZAFFARPUR DATE:07.05.2025 PAGE-06

# परीक्षा फार्म भरने के साथ ही डिग्री के शुल्क की जानकारी देंगे कालेज

- परीक्षा नियंत्रक ने एडमिट कार्ड और डिग्री सेक्शन के कर्मचारियों के साथ बैठक कर लिया निर्णय
- परीक्षा विभाग में रिकार्ड उपलब्ध नहीं होने पर कालेजों से मांगी जाएगी आदेश की कापी

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में डिग्री के लिए छात्रों से दो बार लिए जा रहे शुल्क की शिकायत के बाद परीक्षा विभाग हरकत में आ गया है। शिकायत को परीक्षा विभाग ने बहुत ही गंभीरता के साथ लिया है। परीक्षा विभाग अब सभी कालेजों से जानकारी मांगेगा कि किन-किन सत्र के विद्यार्थियों से टीडीसी पार्ट थर्ड का परीक्षा फार्म भरने के साथ ही डिग्री के लिए शुल्क जमा कराया गया है। इसका पूरा रिकार्ड कालेज चालान के साथ विश्वविद्यालय के पास उपलब्ध नहीं है।

चौंकाने वाली बात यह है कि परीक्षा फार्म के साथ डिग्री शुल्क जमा करने का आदेश विश्वविद्यालय की ओर से जारी तो कर दिया जाता है लेकिन आदेश की कापी परीक्षा विभाग में नहीं मिलती है। इसको लेकर परीक्षा नियंत्रक ने डिग्री सेक्शन, एडमिट कार्ड के कर्मचारियों के साथ बैठक कर डिग्री के लिए परीक्षा फार्म के साथ ही शुल्क लिए जाने की जानकारी ली। कर्मियों ने बताया कि इस संबंध में विश्वविद्यालय के पास कोई पत्र उपलब्ध नहीं है। ऐसे में पूर्व के परीक्षा नियंत्रक से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

दूसरी ओर डिग्री के लिए कई छात्र कालेज के चालान के साथ आवेदन लेकर अब भी पहुंचते हैं। परीक्षा नियंत्रक डा. सुखलाल पासवान ने बताया कि सेक्शन में इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। अब कालेजों से यह मांगा जाएगा कि किस सत्र से फार्म के साथ ही डिग्री का शुल्क लिया गया था।

**कई छात्रों ने कालेज में जमा शुल्क का चालान लगा किया आवेदन :** कई छात्रों ने कालेज में परीक्षा फार्म भरने के समय जमा किए गए शुल्क का चालान लगाकर आवेदन कर रहे हैं। इसमें भुगतान की राशि का जिक्र किया गया है। छात्रों का कहना है कि शुल्क का भुगतान चालान के माध्यम से बैंक में किया जा चुका है। इसे ही आधार बनाकर वे डिग्री के लिए आवेदन कर रहे हैं।

### परीक्षा फार्म भरने के समय लिए गए 400 रुपये

विश्वविद्यालय में डिग्री के लिए विद्यार्थियों को दो बार शुल्क देना पड़ रहा है। सबसे पहले कालेजों में टीडीसी पार्ट थर्ड की परीक्षा के लिए भरे जाने वाले फार्म में 400 रुपये डिग्री के नाम पर जमा कराया जाता है। फिर पहले परीक्षा और परिणाम जारी होने के बाद छात्र अपना मूल प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए दुबारा आनलाइन शुल्क 400 रुपये देना पड़ता है। यह शुल्क बढ़कर 800 रुपये हो जाता है। इसके निदान के लिए कई बार विद्यार्थियों और छात्र संगठनों की ओर से मांग की गई है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कालेज के चालान पर डिग्री दिए जाने का आदेश निर्गत होने की बात कही गई है लेकिन इसका अनुपालन नहीं किया जा रहा है और विद्यार्थियों को परेशानी हो रही है।

# BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

## BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

## PIN-842001 (BIHAR)

**Website:-www.brabu.net**

**Ref:....................** **Date:..........................**

**PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:07.05.2025, PAGE-04**

## एक घंटे की प्रवेश परीक्षा, प्रश्नपत्र के पैटर्न पर शीघ्र लेंगे निर्णय

# वोकेशनल पाठ्यक्रम में नामांकन प्रवेश परीक्षा की मिली स्वीकृति

### अगले हफ्ते खुलेगा पोर्टल

- दो दर्जन से अधिक कोर्स के लिए पहली बार केंद्रीकृत नामांकन की व्यवस्था

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू में वोकेशनल कोर्स में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा होगी. इसको लेकर कुलपति ने स्वीकृति दे दी है. इसके बाद केंद्रीकृत आवेदन के लिए अगले सप्ताह से पोर्टल खुलने की उम्मीद है. प्रवेश परीक्षा एक घंटे की होगी. प्रश्नों की संख्या व पैटर्न को लेकर शीघ्र निर्णय लिया जायेगा. इंटर स्तरीय प्रश्न प्रवेश परीक्षा में पूछे जायेंगे. इसका रिजल्ट जारी होने के बाद मेधा सूची जारी होगी. आवंटित कॉलेज में विद्यार्थियों को दाखिला लेना होगा. विवि की ओर से बताया गया कि अपने ही जिले के कॉलेजों का विद्यार्थी चयन कर सकेंगे. अधिकतम तीन विकल्प चुनने का मौका दिया जायेगा.

**अगले सप्ताह खुल जायेगा पोर्टल** सीसीडीसी डॉ मधु सिंह ने बताया कि पहली बार केंद्रीकृत आवेदन लेने और प्रवेश परीक्षा के आयोजन का प्रस्ताव तैयार कर वीसी को भेजा गया था. उन्होंने इसको लेकर मंजूरी दे दी है. अब परीक्षा के पैटर्न, प्रश्नों की संख्या से लेकर जिन कॉलेजों में वोकेशनल कोर्स संचालित हो रहे हैं. उनकी सूची तैयार कर पोर्टल खोलने की दिशा में कार्य हो रहा है. उम्मीद है कि अगले सप्ताह पोर्टल खुल जायेगा.

**दो दर्जन से अधिक में वोकेशनल कोर्स** :विवि से जुड़े दो दर्जन से अधिक कॉलेजों में वोकेशनल कोर्स का संचालन किया जा रहा है. दो दर्जन से अधिक कोर्स को सरकार से मान्यता मिली हुई है. करीब पांच हजार छात्र-छात्राओं का नामांकन इन कोर्स में होता है. रोजगारपरक कोर्स होने से वोकेशनल कोर्स के प्रति विद्यार्थियों का रूझान है. अबतक अलग-अलग कॉलेज कोर्सवार नामांकन की प्रक्रिया करते थे, लेकिन इसबार विवि ने अपने स्तर से ही केंद्रीकृत आवेदन की प्रक्रिया शुरू की है. विद्यार्थी पोर्टल पर आवेदन करेंगे. विवि से बताया गया कि जून में प्रवेश परीक्षा ली जायेगी.

**ये वोकेशनल कोर्स हैं संचालित** : पीजीडीसीए, पीजीडीएचजेएमसी, पीजीडीवाईएस, पीजीडी इन बीलिस, पीजीडी क्रिमिनोलॉजी, बीसीए, बीबीए, सीएनडी, इंडस्ट्रियल माइक्रोबॉयोलॉजी, इंडस्ट्रियल केमेस्ट्री, बॉयोटेक्नोलॉजी, फिश एंड फिसरीज, बैचलर ऑफ मास कम्युनिकेशन, एडवरटाइजिंग सेल्स एंड प्रमोशन मैनेजमेंट, सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटिंग, एमलिश, एमजेएमसी, डिग्री कोर्स इन ह्युमन राइट्स, पीजीडी इन क्लिनिकल साइकोलॉजी, एमए इन वीमेन स्टडीज, एमएससी फिश एंड फिसरीज, एमबीए, एमसीए.

- खबर वेबसाइट पर पढ़ने के लिए क्युआर स्कैन कर लें.

## दूसरे विवि की कॉपी उपयोग करने पर शिक्षकों से स्पष्टीकरण

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

- दिसंबर में हुई थी द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा
- बीइयू की जगह आर्यभट्ट की कॉपियां बांटी थी

एमआइटी में बीटेक के इलेक्ट्रिकल ब्रांच के द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में दूसरे विवि की उत्तरपुस्तिका का उपयोग करने के मामले में विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने संज्ञान लिया है. विभाग के अपर सचिव सह निदेशक अहमद महमूद ने कॉलेज के 10 वीक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा है. कहा है कि इलेक्ट्रिकल ब्रांच के द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में कॉलेज में बिहार इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटी (बीइयू) की जगह आर्यभट्ट नालेज यूनिवर्सिटी की कॉपियों का उपयोग किया गया. परीक्षा के बाद विवि को इसकी सूचना नहीं दी गयी. विभाग की ओर से कहा गया है कि यह कर्तव्य के प्रति उदासीनता व लापरवाही का मामला है. कहा गया है कि कॉपी वितरण के समय यह वीक्षक की जिम्मेदारी होती है कि वह इसकी जांच कर ले. यदि गड़बड़ी हो तो इसकी सूचना दे. बता दें कि पूर्व में एकेयू से एमआइटी का संबंधन था. बाद में बीइयू से यह संबद्ध हो गया. इसी कारण पुराने संबंधन वाले विवि की कॉपियों का उपयोग परीक्षा में हुआ है.

### बगैर पड़ताल बांटी कांपियां

बीइयू ने मामले की जानकारी विभाग को दी थी. विवि ने कहा था कि दिसंबर में इलेक्ट्रिकल ब्रांच के दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा हुई थी. 17 दिसंबर को इलेक्ट्रिकल ब्रांच की परीक्षा में बीइयू की कॉपियों की जगह एकेयू की उत्तर पुस्तिकाओं का इस्तेमाल किया गया. परीक्षा के दौरान कॉलेज ने बिना जांच पड़ताल के ही उत्तर पुस्तिकाओं का वितरण कर दिया.